

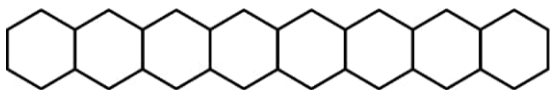


Series : WYXZ7

SET ~ 2

रोल नं.

Roll No.



प्रश्न-पत्र कोड

Q.P. Code

56/7/2

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **23** हैं।

Please check that this question paper contains **23** printed pages.

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **33** प्रश्न हैं।

Please check that this question paper contains **33** questions.

(IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

Please write down the Serial Number of the question in the answer-book at the given place before attempting it.

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not

write any answer on the answer-book during this period.



रसायन विज्ञान (सैद्धान्तिक)

CHEMISTRY (Theory)



निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 70

Maximum Marks : 70

56/7/2

1

P.T.O.



सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

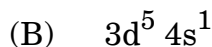
- इस प्रश्न-पत्र में **33** प्रश्न हैं। **सभी प्रश्न अनिवार्य** हैं।
- यह प्रश्न-पत्र **पाँच** खण्डों में विभाजित है – **खण्ड क, ख, ग, घ, एवं ङ**।
- खण्ड क** – प्रश्न संख्या **1** से **16** तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है।
- खण्ड ख** – प्रश्न संख्या **17** से **21** तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है।
- खण्ड ग** – प्रश्न संख्या **22** से **28** तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंकों का है।
- खण्ड घ** – प्रश्न संख्या **29** तथा **30** केस-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **4** अंकों का है।
- खण्ड ङ** – प्रश्न संख्या **31** से **33** दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **5** अंकों का है।
- प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, खण्ड क के अतिरिक्त अन्य सभी खण्डों के कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का चयन दिया गया है।
- ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए अलग प्रश्न-पत्र है।
- कैल्कुलेटर का उपयोग **वर्जित** है।

खण्ड क

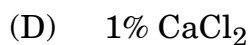
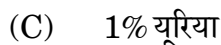
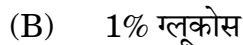
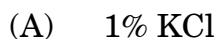
प्रश्न संख्या **1** से **16** तक बहुविकल्पीय प्रकार के **1** अंक के प्रश्न हैं।

$16 \times 1 = 16$

- संक्रमण धातुओं के निम्नलिखित बाह्यतम इलेक्ट्रॉनिक विन्यासों में से कौन-सा उच्चतम ऑक्सीकरण अवस्था दर्शाता है ?



- निम्नलिखित में से किस विलयन का जल में हिमांक न्यूनतम होगा ?





General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

- (i) This question paper contains **33** questions. **All** questions are **compulsory**.
- (ii) This question paper is divided into **five** sections – **Section A, B, C, D and E**.
- (iii) **Section A** – questions number **1 to 16** are multiple choice type questions. Each question carries **1** mark.
- (iv) **Section B** – questions number **17 to 21** are very short answer type questions. Each question carries **2** marks.
- (v) **Section C** – questions number **22 to 28** are short answer type questions. Each question carries **3** marks.
- (vi) **Section D** – questions number **29 and 30** are case-based questions. Each question carries **4** marks.
- (vii) **Section E** – questions number **31 to 33** are long answer type questions. Each question carries **5** marks.
- (viii) There is no overall choice given in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions in all the sections except Section A.
- (ix) Kindly note that there is a separate question paper for Visually Impaired candidates.
- (x) Use of calculator is **not** allowed.

SECTION A

Questions no. **1 to 16** are Multiple Choice type Questions, carrying **1** mark each. $16 \times 1 = 16$

1. Among the following outermost electronic configurations of transition metals, which one shows the highest oxidation state ?
(A) $3d^6 4s^2$ (B) $3d^5 4s^1$
(C) $3d^5 4s^2$ (D) $3d^3 4s^2$
2. Which of the following solution in water will have the lowest freezing point ?
(A) 1% KCl (B) 1% glucose
(C) 1% urea (D) 1% CaCl_2



3. कोलराउश ने प्रबल विद्युत-अपघट्यों के लिए निम्नलिखित संबंध दिया :

$$\Lambda_m = \Lambda_m^\circ - A\sqrt{C}$$

निम्नलिखित में से कौन-सी समानता सत्य है ?

(A) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ जब $C \longrightarrow 1$

(B) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ जब $C \longrightarrow 0$

(C) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ जब $C \longrightarrow \infty$

(D) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ जब $C \longrightarrow \sqrt{A}$

4. द्वितीय कोटि अभिक्रिया के लिए वेग स्थिरांक 'k' की इकाई है :

(A) s^{-1}

(B) $\text{mol L}^{-1} s^{-1}$

(C) $\text{mol}^{-1} \text{L s}^{-1}$

(D) $\text{mol}^{-2} \text{L s}^{-1}$

5. निम्नलिखित में से कौन-सा E_a के बराबर अथवा इससे अधिक ऊर्जा वाले अणुओं के अंश को निरूपित करता है ?

(A) $\frac{-E_a}{RT}$

(B) $e^{-E_a/RT}$

(C) $e^{+E_a/RT}$

(D) $\frac{+E_a}{RT}$

6. जब एक मोल $[\text{Co}(\text{NH}_3)_4\text{Cl}_2]\text{Cl}$ के साथ AgNO_3 विलयन को आधिक्य में मिश्रित किया जाता है, तब अवक्षेपित AgCl के मोल की संख्या है :

(A) 1

(B) 0

(C) 2

(D) 3

7. ऐल्किल फ्लुओराइड के संश्लेषण के लिए सर्वोत्तम विधि का नाम है :

(A) फिंकेल्स्टाइन अभिक्रिया

(B) स्वार्ट्स अभिक्रिया

(C) सैन्डमायर अभिक्रिया

(D) वुर्टज़ अभिक्रिया





3. Kohlrausch gave the following relation for strong electrolytes :

$$\Lambda_m = \Lambda_m^\circ - A\sqrt{C}$$

Which of the following equality holds true ?

- (A) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ as $C \longrightarrow 1$ (B) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ as $C \longrightarrow 0$
(C) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ as $C \longrightarrow \infty$ (D) $\Lambda_m = \Lambda_m^\circ$ as $C \longrightarrow \sqrt{A}$

4. Unit of rate constant 'k' for a second order reaction is :

- (A) s^{-1} (B) $\text{mol L}^{-1} s^{-1}$
(C) $\text{mol}^{-1} \text{L s}^{-1}$ (D) $\text{mol}^{-2} \text{L s}^{-1}$

5. Which of the following represents the fraction of molecules with energies equal to or greater than E_a ?

- (A) $\frac{-E_a}{RT}$
(B) $e^{-E_a/RT}$
(C) $e^{+E_a/RT}$
(D) $\frac{+E_a}{RT}$

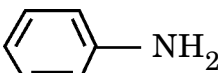
6. The number of moles of AgCl precipitated when excess AgNO_3 solution is mixed with one mole of $[\text{Co}(\text{NH}_3)_4\text{Cl}_2]\text{Cl}$ is :

- (A) 1 (B) 0
(C) 2 (D) 3

7. The synthesis of alkyl fluoride is best carried out by :

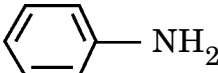
- (A) Finkelstein reaction
(B) Swarts reaction
(C) Sandmeyer reaction
(D) Wurtz reaction



8. अभिक्रिया $R - OH + HCl \xrightarrow{ZnCl_2} RCl + H_2O$ में, ऐल्कोहॉलों की अभिक्रियाशीलता का सही क्रम क्या है ?
- (A) $1^\circ < 2^\circ < 3^\circ$
 (B) $2^\circ < 1^\circ < 3^\circ$
 (C) $3^\circ > 1^\circ < 2^\circ$
 (D) $1^\circ > 2^\circ > 3^\circ$
9. फ़ीनॉल, Br_2 जल के साथ अभिक्रिया करके बनाता है :
- (A) 2,4-डाइब्रोमोफ़ीनॉल
 (B) 2-ब्रोमोफ़ीनॉल
 (C) 2,4,6-ट्राइब्रोमोफ़ीनॉल
 (D) 4-ब्रोमोफ़ीनॉल
10. जब ऐल्किल आयोडाइड के आधिक्य को अमोनिया के साथ अभिक्रियित किया जाता है, तब प्राप्त उत्पाद है :
- (A) प्राथमिक ऐमीन
 (B) द्वितीयक ऐमीन
 (C) तृतीयक ऐमीन
 (D) ऐमीनों का मिश्रण
11. कोई ऐमीन 'X' हिन्सबर्ग अभिकर्मक के साथ अभिक्रिया करता है तथा प्राप्त उत्पाद क्षार में अविलेय है। ऐमीन 'X' है :
- (A) $(CH_3)_2 - NH$ (B) $(CH_3)_3N$
 (C) $CH_3 - CH_2 - NH_2$ (D) 





8. In the reaction $R-OH + HCl \xrightarrow{ZnCl_2} RCl + H_2O$, what is the correct order of reactivity of alcohols ?
- (A) $1^\circ < 2^\circ < 3^\circ$
(B) $2^\circ < 1^\circ < 3^\circ$
(C) $3^\circ > 1^\circ < 2^\circ$
(D) $1^\circ > 2^\circ > 3^\circ$
9. Phenol reacts with Bromine (Br_2) water to form :
- (A) 2,4-dibromophenol
(B) 2-bromophenol
(C) 2,4,6-tribromophenol
(D) 4-bromophenol
10. When excess of alkyl iodide is treated with ammonia, the product obtained is :
- (A) Primary amine
(B) Secondary amine
(C) Tertiary amine
(D) A mixture of amines
11. An amine 'X' reacts with Hinsberg reagent and the product obtained is insoluble in alkali. The amine 'X' is :
- (A) $(CH_3)_2-NH$ (B) $(CH_3)_3N$
(C) $CH_3-CH_2-NH_2$ (D) 



12. किस विटामिन की कमी से 'स्कर्वी' रोग होता है ?

- (A) विटामिन A
- (B) विटामिन B₂
- (C) विटामिन C
- (D) विटामिन D

प्रश्न संख्या 13 से 16 के लिए, दो कथन दिए गए हैं — जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। इन प्रश्नों के सही उत्तर नीचे दिए गए कोडों (A), (B), (C) और (D) में से चुनकर दीजिए।

- (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
- (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।
- (D) अभिकथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है।

13. अभिकथन (A) : *o*-नाइट्रोफ़ीनॉल और *p*-नाइट्रोफ़ीनॉल के मिश्रण को वाष्पीय आसवन द्वारा पृथक किया जा सकता है।

कारण (R) : आंतरआण्विक हाइड्रोजन आबंधन के कारण *o*-नाइट्रोफ़ीनॉल भाप द्वारा वाष्पित होती है।

14. अभिकथन (A) : प्रेशर कुकर में खाना पकने का समय घट जाता है।

कारण (R) : प्रेशर कुकर के भीतर जल का क्वथनांक कम हो जाता है।

15. अभिकथन (A) : ऐक्टिनॉयड अपने इलेक्ट्रॉनिक विन्यासों में अनियमितताएँ दर्शाते हैं।

कारण (R) : यह f^0 , f^7 और f^{14} विन्यासों के परिवर्ती स्थायित्व के कारण है।

16. अभिकथन (A) : माल्टोस एक अपचायी शर्करा है।

कारण (R) : दो ग्लूकोस इकाइयों में से एक खुलकर विलयन में मुक्त ऐलिडहाइड समूह दे सकता है।





12. 'Scurvy' is caused due to the deficiency of :

- (A) Vitamin A
- (B) Vitamin B₂
- (C) Vitamin C
- (D) Vitamin D

For Questions number 13 to 16, two statements are given — one labelled as Assertion (A) and the other labelled as Reason (R). Select the correct answer to these questions from the codes (A), (B), (C) and (D) as given below.

- (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).
- (B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is **not** the correct explanation of the Assertion (A).
- (C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.
- (D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

13. *Assertion (A)* : A mixture of *o*-nitrophenol and *p*-nitrophenol can be separated by steam distillation.

Reason (R) : *o*-nitrophenol is steam volatile due to intramolecular hydrogen bonding.

14. *Assertion (A)* : Cooking time is reduced in pressure cooker.

Reason (R) : Boiling point of water inside the pressure cooker is lowered down.

15. *Assertion (A)* : Actinoids show irregularities in their electronic configurations.

Reason (R) : This is due to varying stability of f^0 , f^7 and f^{14} configurations.

16. *Assertion (A)* : Maltose is a reducing sugar.

Reason (R) : One of the two glucose units can open to expose free aldehydic group in solution.



खण्ड ख

17. राउल्ट नियम से ऋणात्मक विचलन से क्या अभिप्राय है ? एक उदाहरण दीजिए। ऋणात्मक विचलन से किस प्रकार का स्थिरक्वाथी बनता है ? 2

18. (क) संकुल $[\text{Pt}(\text{en})_2\text{Cl}_2]^{2+}$ का IUPAC नाम लिखिए। इस संकुल के उस ज्यामितीय समावयव की संरचना बनाइए जो ध्रुवण अधूर्णक है। 2

अथवा

(ख) (i) निम्नलिखित उपसहसंयोजन यौगिक का सूत्र लिखिए :

पेन्टाऐम्मीनकार्बोनेटोकोबाल्ट(III)क्लोराइड

(ii) संकुल $[\text{Co}(\text{NH}_3)_5(\text{NO}_2)]\text{Cl}_2$ के बन्धनी समावयव का IUPAC नाम लिखिए। 1+1=2

19. वह शर्त बताइए जिसमें कोई द्वि-अणुक अभिक्रिया प्रथम कोटि बलगतिकी अभिक्रिया का अनुसरण करती है। एक उदाहरण दीजिए। किस प्रकार की अभिक्रियाओं में कोटि और आण्विकता के मान समान होते हैं ? 2

20. स्टार्च के घटकों ऐमिलोस और ऐमिलोपेक्टिन के बीच दो अंतर लिखिए। 2

21. हैलोऐरीन्स नाभिकरागी प्रतिस्थापन अभिक्रिया के प्रति कम अभिक्रियाशील क्यों होते हैं ? हैलोऐरीनों में ऑर्थो- तथा पैरा-स्थितियों पर नाइट्रो ($-\text{NO}_2$) समूह की उपस्थिति उनकी नाभिकरागी प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं के प्रति अभिक्रियाशीलता को क्यों बढ़ा देती है ? 2

खण्ड ग

22. निम्नलिखित के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए : 3

(क) आवश्यक और अनावश्यक ऐमीनो अम्ल

(ख) पेप्टाइड बंध और ग्लाइकोसाइडी बंध

(ग) रेशेदार प्रोटीन और गोलिकाकार प्रोटीन





SECTION B

17. What is meant by negative deviation from Raoult's law ? Give an example. What type of azeotrope is formed by negative deviation ? 2
18. (a) Write the IUPAC name of the complex $[\text{Pt}(\text{en})_2\text{Cl}_2]^{2+}$. Draw the structure of geometrical isomer of this complex which is optically inactive. 2
- OR**
- (b) (i) Write the formula of the following coordination compound :
Pentaamminecarbonatocobalt(III)chloride
- (ii) Write the IUPAC name of the linkage isomer of the complex $[\text{Co}(\text{NH}_3)_5(\text{NO}_2)]\text{Cl}_2$. 1+1=2
19. State a condition under which a bimolecular reaction is kinetically first order reaction. Give an example. For which type of reactions, do order and molecularity have the same value ? 2
20. Write two differences between Amylose and Amylopectin components of starch. 2
21. Why are haloarenes less reactive towards nucleophilic substitution reaction ? How does the presence of nitro ($-\text{NO}_2$) group at ortho- and para-positions in haloarenes increase the reactivity towards nucleophilic substitution reaction ? 2

SECTION C

22. Differentiate between : 3
- (a) Essential amino acids and Non-essential amino acids
- (b) Peptide linkage and Glycosidic linkage
- (c) Fibrous protein and Globular protein



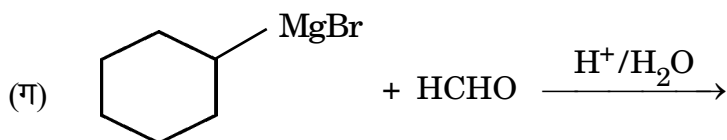
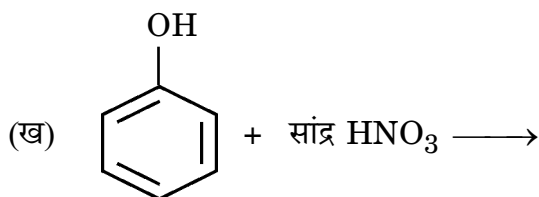
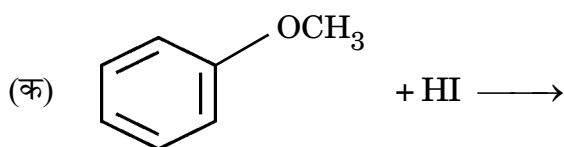
23. निम्नलिखित के कारण दीजिए :

3×1=3

- (क) बेन्जोइक अम्ल फ्रीडेल-क्राफ्ट्स अभिक्रिया नहीं देता है।
 (ख) HCN के संयोजन के प्रति CH₃CHO की तुलना में HCHO अधिक अभिक्रियाशील होता है।
 (ग) कार्बोक्सिलिक अम्ल से वाइनिल समूह के सीधे संयुक्त होने पर अनुनाद के कारण संगत कार्बोक्सिलिक अम्ल की अम्लता कम हो जानी चाहिए, परन्तु इसके विपरीत यह अम्लता को बढ़ा देता है।

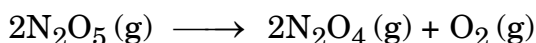
24. निम्नलिखित अभिक्रियाओं के उत्पादों की संरचनाएँ लिखिए :

3×1=3



25. स्थिर आयतन पर, N₂O₅ (g) के प्रथम कोटि के तापीय वियोजन (अपघटन) पर निम्नलिखित आँकड़े प्राप्त हुए :

3



क्र.सं.	समय/s	कुल दाब/atm
1	0	0.5
2	100	0.625

वेग स्थिरांक परिकलित कीजिए।

[दिया गया है : log 2 = 0.3010, log 10 = 1]





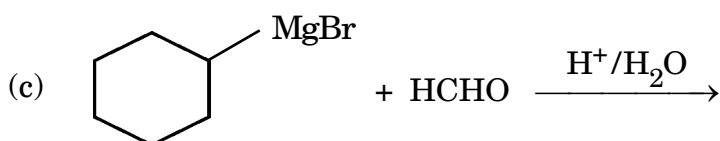
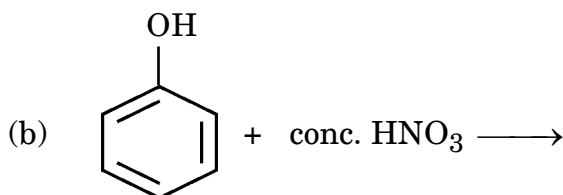
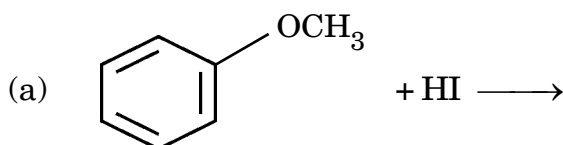
23. Give reasons for the following :

3×1=3

- Benzoic acid does not undergo Friedel-Crafts reaction.
- HCHO is more reactive than CH₃CHO towards addition of HCN.
- Vinyl group directly attached with carboxylic acid should decrease the acidity of corresponding carboxylic acid due to resonance, but on the contrary it increases the acidity.

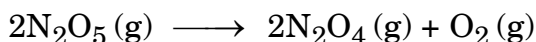
24. Write structure of the products of the following reactions :

3×1=3



25. The following data were obtained during the first order thermal decomposition of N₂O₅ (g) at constant volume :

3



S.No.	Time/s	Total Pressure/atm
1	0	0.5
2	100	0.625

Calculate rate constant.

[Given : log 2 = 0.3010, log 10 = 1]



26. आण्विक सूत्र C_4H_9I का कोई यौगिक (A), जो एक प्राथमिक ऐल्किल हैलाइड है, ऐल्कोहॉली KOH के साथ अभिक्रिया करके यौगिक (B) देता है। यौगिक (B), HI के साथ अभिक्रिया करके यौगिक (C) देता है जो (A) का समावयव है। जब (A), शुष्क ईथर की उपस्थिति में Na धातु से अभिक्रिया करता है, तब यह यौगिक (D), C_8H_{18} देता है, जो उस यौगिक से भिन्न है जो n-ब्यूटिल आयोडाइड की सोडियम के साथ अभिक्रिया से बनता है। (A), (B), (C) और (D) की संरचनाएँ लिखिए। रासायनिक समीकरण लिखिए जब यौगिक (A), ऐल्कोहॉली KOH के साथ अभिक्रिया करता है।

3

27. (क) सामान्यतः इन्वर्टरों में प्रयुक्त सेल का नाम लिखिए। इस सेल के ऐनोड और कैथोड पर होने वाली अभिक्रियाएँ लिखिए जब यह उपयोग में होता है।

3

अथवा

- (ख) व्याख्या कीजिए कि NaCl के जलीय विलयन के विद्युत-अपघटन से कैथोड पर H_2 गैस और ऐनोड पर Cl_2 गैस उत्सर्जित क्यों होती है। समग्र अभिक्रिया लिखिए।

3

(दिया गया है : $E^\circ_{Na^+/Na} = -2.71 \text{ V}$, $E^\circ_{H_2O/H_2} = -0.83 \text{ V}$,

$E^\circ_{Cl_2/2Cl^-} = +1.36 \text{ V}$, $E^\circ_{H^+/O_2/H_2O} = +1.23 \text{ V}$)

28. 0.3 g ऐसीटिक अम्ल (मोलर द्रव्यमान = 60 g mol^{-1}) 30 g बेन्ज़ीन में घोलने पर हिमांक में 0.45°C का अवनमन होता है। यदि यह विलयन में द्वितय बनाता है, तो अम्ल का प्रतिशत संगुणन परिकलित कीजिए।

3

(दिया गया है : बेन्ज़ीन के लिए $K_f = 5.12 \text{ K kg mol}^{-1}$)





26. A compound (A) with molecular formula C_4H_9I which is a primary alkyl halide, reacts with alcoholic KOH to give compound (B). Compound (B) reacts with HI to give (C) which is an isomer of (A). When (A) reacts with Na metal in the presence of dry ether, it gives a compound (D), C_8H_{18} , which is different from the compound formed when n-butyl iodide reacts with sodium. Write the structures of (A), (B), (C) and (D). Write the chemical equation when compound (A) is reacted with alcoholic KOH. 3

27. (a) Write the name of the cell which is generally used in inverters. Write the reactions taking place at anode and cathode of this cell, when it is in use. 3

OR

- (b) Explain why electrolysis of an aqueous solution of NaCl gives H_2 gas at cathode and Cl_2 gas at anode ? Write overall reaction. 3

(Given : $E^\circ_{Na^+/Na} = -2.71 \text{ V}$, $E^\circ_{H_2O/H_2} = -0.83 \text{ V}$,

$E^\circ_{Cl_2/2Cl^-} = +1.36 \text{ V}$, $E^\circ_{H^+/O_2/H_2O} = +1.23 \text{ V}$)

28. 0.3 g of acetic acid (Molar mass = 60 g mol^{-1}) dissolved in 30 g of benzene shows a depression in freezing point equal to 0.45°C . Calculate the percentage association of acid if it forms a dimer in the solution. 3
(Given : K_f for benzene = $5.12 \text{ K kg mol}^{-1}$)



खण्ड घ

निम्नलिखित प्रश्न केस-आधारित प्रश्न हैं। केस को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

29. ऐमीन प्रायः ऐमाइड, इमाइड, हैलाइड, नाइट्रो यौगिकों, आदि से बनती हैं। ये हाइड्रोजन आबंधन प्रदर्शित करती हैं जिससे इनके भौतिक गुण प्रभावित होते हैं। ऐल्किल ऐमीनों में इलेक्ट्रॉन त्यागने, त्रिविम तथा H-आबंधन कारक प्रोटिक ध्रुवीय विलायकों में प्रतिस्थापित अमोनियम धनायन के स्थायित्व अर्थात् क्षारकता को प्रभावित करते हैं। ऐल्किल ऐमीन अमोनिया की तुलना में प्रबल क्षारक होते हैं। ऐमीनें क्षारक प्रकृति के कारण, अम्लों के साथ अभिक्रिया करके लवण बनाती हैं। ऐरिलडाइऐजोनियम लवण, डाइऐजोनियम समूह, विभिन्न प्रकार के नाभिकरागियों द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने पर ऐरिल हैलाइड, सायनाइड, फ्रीनॉल और ऐरीन बनाते हैं।

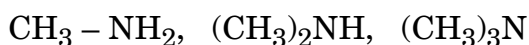
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (क) आप निम्नलिखित का रूपान्तरण कैसे सम्पन्न करेंगे ? 2

- (i) एथेनॉइक अम्ल से मेथैनेमीन
(ii) प्रोपेननाइट्राइल से 1-ऐमीनोप्रोपेन

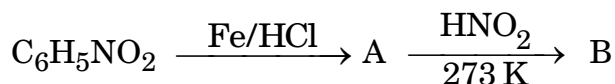
- (ख) मेथिलऐमीन की तुलना में ऐनिलीन का pK_b मान अधिक क्यों है ? 1

- (ग) (i) निम्नलिखित को जलीय विलयन में उनकी क्षारकीय सामर्थ्य के बढ़ते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए : 1



अथवा

- (ग) (ii) निम्नलिखित अभिक्रिया में A और B की संरचनाएँ दीजिए : 1



30. क्रिस्टल क्षेत्र सिद्धांत (CFT) उपसहसंयोजन यौगिकों में विद्यमान केंद्रीय धातु परमाणु/आयन के d-कक्षकों की ऊर्जा की समानता पर विभिन्न क्रिस्टल क्षेत्रों के प्रभाव (लिगण्डों को बिंदु आवेश मानते हुए उनके द्वारा प्रदत्त प्रभाव) पर आधारित है। प्रबल क्रिस्टल क्षेत्र तथा दुर्बल क्रिस्टल क्षेत्र में d-कक्षकों के विपाटन से विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक विन्यास प्राप्त होते हैं। चतुष्फलकीय सहसंयोजन सत्ता के विरचन में, d-कक्षकों का विपाटन अष्टफलकीय सत्ता से कम होता है।





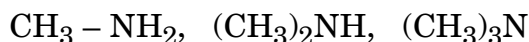
SECTION D

The following questions are case-based questions. Read the case carefully and answer the questions that follow.

- 29.** Amines are usually formed from amides, imides, halides, nitro compounds, etc. They exhibit hydrogen bonding which influences their physical properties. In alkyl amines, a combination of electron releasing, steric and H-bonding factors influence the stability of the substituted ammonium cations in protic polar solvents and thus affect the basic nature of amines. Alkyl amines are found to be stronger bases than ammonia. Amines being basic in nature, react with acids to form salts. Aryldiazonium salts, undergo replacement of the diazonium group with a variety of nucleophiles to produce aryl halides, cyanides, phenols and arenes.

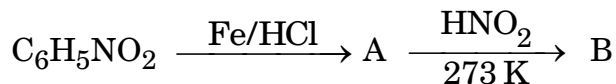
Answer the following questions :

- (a) How can you convert the following ? 2
(i) Ethanoic acid to methanamine
(ii) Propanenitrile to 1-aminopropane
- (b) Why is pK_b value of aniline more than that of methylamine ? 1
- (c) (i) Arrange the following in increasing order of their basic strength in aqueous solution : 1



OR

- (c) (ii) Give the structures of A and B in the following reaction : 1



- 30.** The Crystal Field Theory (CFT) of coordination compounds is based on the effect of different crystal fields (provided by the ligands taken as point charges) on the degeneracy of d-orbital energies of the central metal atom/ion. The splitting of the d-orbitals provides different electronic arrangements in strong and weak crystal fields. In tetrahedral coordination entity formation, the d-orbital splitting is smaller as compared to the octahedral entity.





निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (क) CFT के आधार पर, समझाइए कि संकुल $[\text{Ti}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$ रंगीन क्यों होता है। संकुल $[\text{Ti}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$ को गरम करने पर क्या होता है ? कारण दीजिए। 2
[परमाणु क्रमांक : Ti = 22]

- (ख) (i) क्रिस्टल क्षेत्र विपाटन ऊर्जा क्या है ? 1

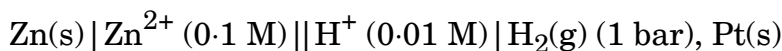
अथवा

- (ख) (ii) Δ_0 और P (युग्मन ऊर्जा) के आधार पर, आप प्रबल क्षेत्र लिगण्ड और दुर्बल क्षेत्र लिगण्ड के मध्य कैसे अंतर कर सकते हैं ? 1

- (ग) निम्न प्रचक्रण चतुष्फलकीय संकुल विरले ही क्यों देखे जाते हैं ? 1

खण्ड ड

31. (क) (i) 25°C पर निम्नलिखित सेल का वि.वा. बल (emf) परिकलित कीजिए : 3



[दिया गया है : $E^\circ_{\text{Zn}^{2+}/\text{Zn}} = -0.76 \text{ V}$, $E^\circ_{2\text{H}^+/\text{H}_2} = 0.00 \text{ V}$, $\log 10 = 1$]

- (ii) फैराडे का विद्युत-अपघटन का द्वितीय नियम बताइए। 1 मोल $\text{Cr}_2\text{O}_7^{2-}$ के Cr^{3+} में अपचयन के लिए फैराडे के पदों में विद्युत की कितनी मात्रा आवश्यक है ? 2

अथवा

- (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

- (i) KCl के 0.20 M विलयन की चालकता $2.48 \times 10^{-2} \text{ S cm}^{-1}$ है। इसकी मोलर चालकता एवं वियोजन मात्रा (α) का परिकलन कीजिए।

[दिया गया है : $\lambda^\circ_{(\text{K}^+)} = 73.5 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$

$\lambda^\circ_{(\text{Cl}^-)} = 76.5 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$]





Answer the following questions :

- (a) On the basis of CFT, explain why $[\text{Ti}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$ complex is coloured ? What happens on heating the complex $[\text{Ti}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$? Give reason. 2

[Atomic no. : Ti = 22]

- (b) (i) What is crystal field splitting energy ? 1

OR

- (b) (ii) On the basis of Δ_o and P (pairing energy), how can you differentiate between a strong field ligand and a weak field ligand ? 1

- (c) Why are low spin tetrahedral complexes rarely observed ? 1

SECTION E

31. (a) (i) Calculate the emf of the following cell at 25°C : 3
 $\text{Zn(s)} | \text{Zn}^{2+} (0.1 \text{ M}) || \text{H}^+ (0.01 \text{ M}) | \text{H}_2(\text{g}) (1 \text{ bar}), \text{Pt(s)}$
 [Given : $E^\circ_{\text{Zn}^{2+}/\text{Zn}} = -0.76 \text{ V}$, $E^\circ_{2\text{H}^+/\text{H}_2} = 0.00 \text{ V}$, $\log 10 = 1$]

- (ii) State Faraday's second law of electrolysis. How much electricity is required in terms of Faraday for the reduction of 1 mol of $\text{Cr}_2\text{O}_7^{2-}$ to Cr^{3+} ? 2

OR

- (b) Answer the following questions :

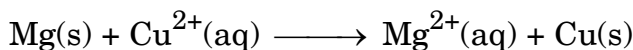
- (i) The conductivity of 0.20 M solution of KCl is $2.48 \times 10^{-2} \text{ S cm}^{-1}$. Calculate its molar conductivity and degree of dissociation (α).

[Given : $\lambda^\circ_{(\text{K}^+)} = 73.5 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$

$\lambda^\circ_{(\text{Cl}^-)} = 76.5 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$]



(ii) निम्नलिखित सेल के लिए $\Delta_r G^\circ$ परिकलित कीजिए :



[दिया गया है : $E^\circ_{\text{Mg}^{2+}/\text{Mg}} = -2.37 \text{ V}$, $E^\circ_{\text{Cu}^{2+}/\text{Cu}} = +0.34 \text{ V}$

$$1 \text{ F} = 96500 \text{ C mol}^{-1}]$$

(iii) मर्करी सेल किस प्रकार का सेल है ? यह शुष्क सेल की अपेक्षा अधिक लाभकारी क्यों है ?

2+2+1=5

32. (क) (i) निम्नलिखित के कारण दीजिए :

(I) मैंगनीज के लिए $E^\circ_{\text{Mn}^{2+}/\text{Mn}}$ मान अत्यधिक ऋणात्मक है, जबकि $E^\circ_{\text{Mn}^{3+}/\text{Mn}^{2+}}$ अत्यधिक धनात्मक है।

1

(II) ऐक्टिनॉयड ऑक्सीकरण अवस्थाओं का वृहद परास दर्शाते हैं।

1

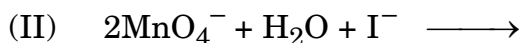
(III) संक्रमण धातुओं के उच्च गलनांक होते हैं।

1

(ii) निम्नलिखित आयनिक समीकरणों को पूर्ण कीजिए :



1



1

अथवा

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×1=5

(i) 3d श्रेणी के दो तत्त्वों के नाम बताइए जिनकी तृतीय आयनन एन्थैल्पी काफी उच्च है।

(ii) KMnO_4 और K_2MnO_4 में से कौन-सा अनुचुम्बकीय है और क्यों ?

(iii) लैंथेनॉयड आकुंचन का कोई एक परिणाम लिखिए।

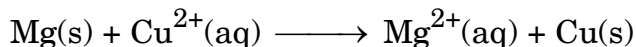
(iv) पायरोलुसाइट अयस्क से आप पोटैशियम मैंगनेट कैसे बनाएँगे ?

(v) संक्रमण धातुओं की उच्चतर ऑक्सीकरण अवस्थाओं को स्थायी करने में फ्लुओरीन की अपेक्षा ऑक्सीजन की क्षमता अधिक क्यों होती है ?





- (ii) Calculate $\Delta_r G^\circ$ of the following cell :



$$[\text{Given : } E^\circ_{\text{Mg}^{2+}/\text{Mg}} = -2.37 \text{ V}, \quad E^\circ_{\text{Cu}^{2+}/\text{Cu}} = +0.34 \text{ V}]$$

$$1 \text{ F} = 96500 \text{ C mol}^{-1}]$$

- (iii) What type of cell is mercury cell ? Why is it more advantageous than dry cell ? 2+2+1=5

32. (a) (i) Account for the following :

- (I) The $E^\circ_{\text{Mn}^{2+}/\text{Mn}}$ value for manganese is highly negative, whereas $E^\circ_{\text{Mn}^{3+}/\text{Mn}^{2+}}$ is highly positive. 1
- (II) Actinoids show wide range of oxidation states. 1
- (III) Transition metals have high melting points. 1

- (ii) Complete the following ionic equations :

- (I) $5\text{SO}_3^{2-} + 2\text{MnO}_4^- + 6\text{H}^+ \longrightarrow$ 1
- (II) $2\text{MnO}_4^- + \text{H}_2\text{O} + \text{I}^- \longrightarrow$ 1

OR

- (b) Answer the following questions : 5×1=5

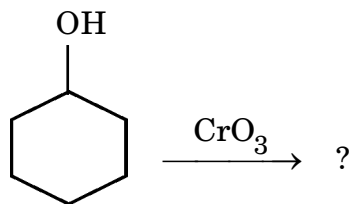
- (i) Name two elements of 3d series for which the third ionisation enthalpies are quite high.
- (ii) Out of KMnO_4 and K_2MnO_4 , which one is paramagnetic and why ?
- (iii) Write any one consequence of lanthanoid contraction.
- (iv) How do you prepare potassium manganate from pyrolusite ore ?
- (v) Why is the ability of oxygen more than fluorine to stabilise higher oxidation states of transition metals ?



33. (क) (i) $C_5H_{10}O$ आण्विक सूत्र का कोई कार्बनिक यौगिक (X) संरचनाओं पर निर्भर करते हुए विभिन्न गुणधर्म दर्शा सकता है। इसकी प्रत्येक संरचना बनाइए यदि यह :
- (I) कैनिज़ारो अभिक्रिया दर्शाता है। 1
- (II) टॉलेन्स अभिकर्मक को अपचयित करता है और इसमें एक किरेल कार्बन है। 1
- (III) धनात्मक आयोडोफॉर्म परीक्षण देता है। 1
- (ii) निम्नलिखित में सम्मिलित अभिक्रिया लिखिए : 2
- (I) क्लीमेन्सन अपचयन
- (II) ईटार्ड अभिक्रिया

अथवा

- (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$
- (i) मेथेनैल के मेथिल हेमीऐसीटैल की संरचना बनाइए।
- (ii) सेमीकार्बेज़ाइड में दो $-NH_2$ समूह होते हैं, परंतु केवल एक $-NH_2$ समूह ही सेमीकार्बेज़ोन विरचन में प्रयुक्त होता है। कारण दीजिए।
- (iii) आप एथेनॉल का रूपान्तरण 3-हाइड्रॉक्सीब्यूटेनॉल में कैसे सम्पन्न करेंगे ?
- (iv) निम्नलिखित समीकरण को पूर्ण कीजिए :



- (v) अन्तिम उत्पाद लिखिए जब थैलिक अम्ल को NH_3 के साथ अभिक्रियित करने के पश्चात प्रबल गरम किया जाता है।

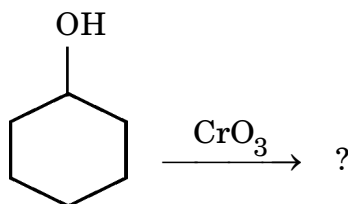




33. (a) (i) An organic compound (X) having molecular formula $C_5H_{10}O$ can show various properties depending on its structures. Draw each of the structures if it :
- (I) shows Cannizzaro reaction. 1
- (II) reduces Tollens' reagent and has a chiral carbon. 1
- (III) gives positive iodoform test. 1
- (ii) Write the reaction involved in the following : 2
- (I) Clemmensen reduction
- (II) Etard reaction

OR

- (b) Answer the following questions : 5×1=5
- (i) Draw structure of the methyl hemiacetal of methanal.
- (ii) There are two $-NH_2$ groups in semicarbazide. However only one is involved in the formation of semicarbazones. Give reason.
- (iii) How will you convert ethanol to 3-hydroxybutanal ?
- (iv) Complete the following equation :



- (v) Write the final product formed when phthalic acid is treated with NH_3 followed by strong heating.



Marking Scheme
Strictly Confidential
(For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination, 2024-25
SUBJECT NAME CHEMISTRY (Theory) -043
(Q.P.CODE 56/7/2) MM: 70

General Instructions: -

You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.

“Evaluation policy is a confidential policy as it is related to the confidentiality of the examinations conducted, Evaluation done and several other aspects. Its’ leakage to public in any manner could lead to derailment of the examination system and affect the life and future of millions of candidates. Sharing this policy/document to anyone, publishing in any magazine and printing in News Paper/Website etc may invite action under various rules of the Board and IPC.”

Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one’s own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and due marks be awarded to them. In class-X, while evaluating two competency-based questions, please try to understand given answer and even if reply is not from marking scheme but correct competency is enumerated by the candidate, due marks should be awarded.**

The Marking scheme carries only suggested value points for the answers

These are in the nature of Guidelines only and do not constitute the complete answer. The students can have their own expression and if the expression is correct, the due marks should be awarded accordingly.

The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. If there is any variation, the same should be zero after deliberation and discussion. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

Evaluators will mark(✓) wherever answer is correct. For wrong answer CROSS ‘X’ be marked. Evaluators will not put right (✓) while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out with a note **“Extra Question”**.

No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

A full scale of marks _____ (example 0 to 80/70/60/50/40/30 marks as given in Question Paper) has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e., 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines). This is in view of the reduced syllabus and number of questions in question paper.

Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on an answer.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
- Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying/not same.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)

Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

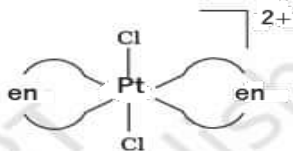
While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.

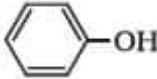
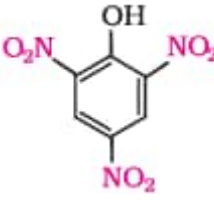
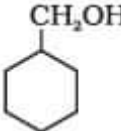
Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the “**Guidelines for Spot Evaluation**” before starting the actual evaluation.

Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totaled and written in figures and words.

The candidates are entitled to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed processing fee. All Examiners/Additional Head Examiners/Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

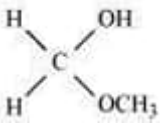

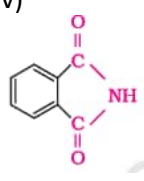
Q.No	Value points	Mark										
SECTION A												
1	C	1										
2	D	1										
3	B	1										
4	C	1										
5	B	1										
6	A	1										
7	B	1										
8	A	1										
9	C	1										
10	D	1										
11	A	1										
12	C	1										
13	A	1										
14	C	1										
15	A	1										
16	A	1										
SECTION B												
17	When vapour pressure of the solution is lower than expected from the ideal behaviour. Example : chloroform and acetone/ HNO ₃ and water (or any other suitable example) Maximum boiling azeotrope	1 ½ ½										
18	a) Dichloridobis(ethane-1,2-diamine)platinum(IV) ion 	1 1										
OR												
18	i) [Co(NH ₃) ₅ (CO ₃)]Cl ii) Pentaamminenitrito-O-cobalt(III) chloride	1 1										
19	When one of the reactant is present in excess Hydrolysis of an ester/ sucrose (or any other suitable example) For elementary reaction, which takes place in a single step.	1 ½ ½										
20	<table><tr><th>Amylose</th><th>Amylopectin</th></tr><tr><td>Linear polymer of α-glucose</td><td>Branched polymer of α-glucose</td></tr><tr><td>C₁-C₄ glycosidic linkage</td><td>C₁-C₄ and C₁-C₆ glycosidic linkages</td></tr><tr><td>Water soluble</td><td>Water insoluble</td></tr><tr><td>It constitutes 15-20% of starch</td><td>It constitutes 80-85% of starch</td></tr></table> <p style="text-align: right;">(Any TWO)</p>	Amylose	Amylopectin	Linear polymer of α-glucose	Branched polymer of α-glucose	C ₁ -C ₄ glycosidic linkage	C ₁ -C ₄ and C ₁ -C ₆ glycosidic linkages	Water soluble	Water insoluble	It constitutes 15-20% of starch	It constitutes 80-85% of starch	1+1
Amylose	Amylopectin											
Linear polymer of α-glucose	Branched polymer of α-glucose											
C ₁ -C ₄ glycosidic linkage	C ₁ -C ₄ and C ₁ -C ₆ glycosidic linkages											
Water soluble	Water insoluble											
It constitutes 15-20% of starch	It constitutes 80-85% of starch											
21	-Because C—X bond acquires a partial double bond character due to resonance/ sp ² hybridized carbon of C-X bond leading to shorter bond length (Or any other suitable reason). -Nitro group withdraws the electron density from the benzene ring and thus facilitates the attack of the nucleophile on haloarene / -NO ₂ group being electron withdrawing stabilises the intermediate carbanion.	1 1										

	SECTION C																			
22	<p>a) The amino acids, which can be synthesised in the body, are known as non- essential amino acids whereas those which cannot be synthesised in the body and must be obtained through diet, are known as essential amino acids.</p> <p>b) A linkage which joins two amino acids through -CO-NH- bond is peptide linkage whereas a linkage which joins two monosaccharides through oxygen atom is known as glycosidic linkage.</p> <p>c) Fibrous protein: parallel polypeptide chain structure / insoluble in water Globular protein: spherical polypeptide chain structure/ soluble in water</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>																		
23	<p>a) Because the carboxyl group is deactivating and the catalyst aluminium chloride (Lewis acid) gets bonded to the carboxyl group.(forms salt)</p> <p>b) Because carbonyl carbon of HCHO is more electrophilic than CH₃CHO/ due to +I effect of methyl group/ steric effect of methyl group, CH₃CHO is less reactive.</p> <p>c) Because of greater electronegativity of sp² hybridised carbon to which carboxyl carbon is attached.</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>																		
24	<p>a) <chem>CH3I</chem> + </p> <p>b) </p> <p>c) </p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>																		
25	<table><tr><td></td><td>$2\text{N}_2\text{O}_5(\text{g})$</td><td>$\rightarrow$</td><td>$2\text{N}_2\text{O}_4(\text{g})$</td><td>$+$</td><td>$\text{O}_2(\text{g})$</td></tr><tr><td>Start $t = 0$</td><td>P_i atm</td><td></td><td>0 atm</td><td></td><td>0 atm</td></tr><tr><td>At time t</td><td>$(P_i - 2x)$ atm</td><td></td><td>$2x$ atm</td><td></td><td>x atm</td></tr></table> <p>$P_t = P_i - 2x + 2x + x = P_i + x$ $x = P_t - P_i$ $p_A = P_i - 2x$ $= P_i - 2(P_t - P_i)$ $= 3P_i - 2P_t$</p> <p>$k = \frac{2.303}{t} \log \frac{P_i}{p_A}$</p> <p>Where $p_i = 0.5$ atm, $p_A = 3p_i - 2p_t$ $= (3 \times 0.5) - (2 \times 0.625)$ $= 0.25 \text{ atm}$</p> <p>$k = \frac{2.303}{100 \text{ s}} \log \frac{0.5 \text{ atm}}{0.25 \text{ atm}}$</p> <p>$= \frac{2.303}{100 \text{ s}} \times 0.3010$ $= 6.93 \times 10^{-3} \text{ s}^{-1}$</p>		$2\text{N}_2\text{O}_5(\text{g})$	\rightarrow	$2\text{N}_2\text{O}_4(\text{g})$	$+$	$\text{O}_2(\text{g})$	Start $t = 0$	P_i atm		0 atm		0 atm	At time t	$(P_i - 2x)$ atm		$2x$ atm		x atm	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
	$2\text{N}_2\text{O}_5(\text{g})$	\rightarrow	$2\text{N}_2\text{O}_4(\text{g})$	$+$	$\text{O}_2(\text{g})$															
Start $t = 0$	P_i atm		0 atm		0 atm															
At time t	$(P_i - 2x)$ atm		$2x$ atm		x atm															

26.	<p>A=</p> $\begin{array}{c} \text{CH}_3 - \text{CH} - \text{CH}_2 - \\ \\ \text{CH}_3 \end{array}$ <p>B=</p> $\begin{array}{c} \text{CH}_3 - \text{C} = \text{CH}_2 \\ \\ \text{CH}_3 \end{array}$ <p>C=</p> $\begin{array}{c} \text{I} \\ \\ \text{CH}_3 - \text{CH} - \text{CH}_3 \\ \\ \text{CH}_3 \end{array}$ <p>D=</p> $\begin{array}{c} \text{CH}_3\text{CHCH}_2\text{CH}_2\text{CHCH}_3 \\ \qquad \qquad \\ \text{CH}_3 \qquad \qquad \text{CH}_3 \end{array}$ $\begin{array}{c} \text{CH}_3 - \text{CH} - \text{CH}_2 - \text{I} \\ \\ \text{CH}_3 \end{array} \xrightarrow{\text{KOH(alc)/}\Delta} \begin{array}{c} \text{CH}_3 - \text{C} = \text{CH}_2 \\ \\ \text{CH}_3 \end{array} + \text{KI} + \text{H}_2\text{O}$	<p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p>
27	<p>(a) Lead storage battery</p> <p>Anode: $\text{Pb(s)} + \text{SO}_4^{2-}(\text{aq}) \rightarrow \text{PbSO}_4(\text{s}) + 2\text{e}^-$</p> <p>Cathode: $\text{PbO}_2(\text{s}) + \text{SO}_4^{2-}(\text{aq}) + 4\text{H}^+(\text{aq}) + 2\text{e}^- \rightarrow \text{PbSO}_4(\text{s}) + 2\text{H}_2\text{O(l)}$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
	OR	
27	<p>(b) Because at cathode the reaction with higher value of E° is preferred and therefore, the reduction of H_2O to H_2 gas is preferred whereas at anode water should get oxidised in preference to $\text{Cl}^-(\text{aq})$, however, on account of overpotential of oxygen, oxidation of Cl^- to Cl_2 gas is preferred.</p> <p>$\text{NaCl(aq)} + \text{H}_2\text{O(l)} \rightarrow \text{Na}^+(\text{aq}) + \text{OH}^-(\text{aq}) + \frac{1}{2}\text{H}_2(\text{g}) + \frac{1}{2}\text{Cl}_2(\text{g})$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
28	<p>$\Delta T_f = iK_f m$</p> $\Delta T_f = \frac{i \times K_f \times w_2 \times 1000}{M_2 \times w_1}$ $0.45 = \frac{i \times 5.12 \times 0.3 \times 1000}{60 \times 30}$ <p>$i = 0.527$</p> $\alpha = \frac{i-1}{1/n-1}$ $\alpha = \frac{0.527-1}{1/2-1} \quad (n=2)$ <p>$\alpha = 0.946$ or 94.6%</p> <p style="text-align: center;">(Or any other suitable method)</p>	<p>½</p> <p>1</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p>

	SECTION D	
29	<p>a) (i)</p> $\text{CH}_3\text{COOH} \xrightarrow{\text{NH}_3, \text{Heat}} \text{CH}_3\text{CONH}_2$ $\downarrow \text{Br}_2/\text{NaOH}$ CH_3NH_2 <p>(ii)</p> $\text{CH}_3\text{-CH}_2\text{-C}\equiv\text{N} \xrightarrow{\text{H}_2/\text{Pt}} \text{CH}_3\text{-CH}_2\text{-CH}_2\text{-NH}_2$ <p>(or by any other method)</p> <p>b) Aniline undergoes resonance and as a result the electrons on the N-atom are less available for donation.</p> <p>c) (i) $(\text{CH}_3)_3\text{N} < \text{CH}_3\text{NH}_2 < (\text{CH}_3)_2\text{NH}$ OR c) (ii) A = $\text{C}_6\text{H}_5\text{NH}_2$; B = $\text{C}_6\text{H}_5\text{N}_2^+\text{Cl}$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$</p>
30	<p>a) Due to presence of one unpaired electron in t_{2g} which gets excited to e_g / Due to excitation energy $t_{2g}^1 \rightarrow e_g^1$, it gives colour. (d-d transition) When heated, water is lost therefore crystal field splitting does not occur and it becomes colourless.</p> <p>b) The energy required to split the degenerate d-orbitals into two sets of orbitals (t_{2g} and e_g). / The difference of energy between the two sets of d-orbitals t_{2g} and e_g due to the presence of ligands in a definite geometry . OR b) (ii) $\Delta_o < P$, weak field ligand $\Delta_o > P$, strong field ligand</p> <p>c) Because the orbital splitting energies are not sufficiently large for forcing pairing / Due to low crystal field splitting energy.</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$</p> <p>1</p>
	SECTION E	
31	<p>(a) (i)</p> $E_{\text{Cell}} = (E^\circ_c - E^\circ_a) - \frac{0.059}{2} \log \frac{[\text{Zn}^{2+}]}{[\text{H}^+]^2}$ $= [(0) - (-0.76)] - \frac{0.059}{2} \log \frac{0.1}{(0.01)^2}$ $= 0.76 - 0.0295 \log 10^3$ $= 0.76 - 0.0885$ $= 0.6715 \text{ V or } 0.67 \text{ V} \quad (\text{Deduct } \frac{1}{2} \text{ mark for no or incorrect unit})$ <p>(ii) The amounts of different substances liberated by the same quantity of electricity passing through the electrolytic solution are proportional to their chemical equivalent weights. 6F</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
	OR	
31	<p>(b) (i)</p> $\Lambda_m = \frac{K}{C} \times 1000$ $\Lambda_m = \frac{2.48 \times 10^{-2}}{0.2} \times 1000$	<p>$\frac{1}{2}$</p>

	$\Lambda_m^{\circ} = 124 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$ $\Lambda_m^{\circ} = \lambda_{\text{K}^+}^{\circ} + \lambda_{\text{Cl}^-}^{\circ}$ $= 73.5 + 76.5$ $= 150 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$ $\alpha = \frac{\Lambda_m}{\Lambda_m^{\circ}}$ $= \frac{124}{150}$ $= 0.827$ <p>(ii) $E_{\text{cell}}^{\circ} = E_{\text{cathode}}^{\circ} - E_{\text{anode}}^{\circ}$</p> $= 0.34 - (-2.37)$ $= 2.71 \text{ V}$ <p>$\Delta_r G^{\circ} = -nFE_{\text{cell}}^{\circ}$</p> $= -2 \times 96500 \times 2.71$ $= -523030 \text{ J mol}^{-1} \text{ or } -523.03 \text{ kJ mol}^{-1}$ <p>(iii)</p> <p>Primary cell</p> <p>Maintains constant potential throughout its usage/ longer lifespan</p>	<p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p>
32	<p>(a) (i)</p> <p>(I) Because Mn^{2+} is more stable than Mn^{3+} due to extra stable half-filled d^5 configuration.</p> <p>(II) Due to comparable energies of 5f, 6d and 7s orbitals</p> <p>(III) Due to the involvement of greater number of electrons from (n-1)d in addition to the ns electrons in the inter-atomic metallic bonding.</p> <p>(ii)</p> <p>(I) $5\text{SO}_3^{2-} + 2\text{MnO}_4^- + 6\text{H}^+ \longrightarrow 2\text{Mn}^{2+} + 3\text{H}_2\text{O} + 5\text{SO}_4^{2-}$</p> <p>(II) $2\text{MnO}_4^- + \text{H}_2\text{O} + \text{I}^- \longrightarrow 2\text{MnO}_2 + 2\text{OH}^- + \text{IO}_3^-$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
	OR	
32	<p>b)</p> <p>(i) Mn, Zn, Ni, Cu (any two)</p> <p>(ii) K_2MnO_4, due to presence of one unpaired electron</p> <p>(iii) Similar radii of 4d and 5d series elements/ similar properties/ difficulty in separation of lanthanoids (or any other relevant consequence)</p> <p>(iv) It is prepared by fusion of MnO_2 with an alkali metal hydroxide and an oxidising agent /</p> $2\text{MnO}_2 + 4\text{KOH} + \text{O}_2 \rightarrow 2\text{K}_2\text{MnO}_4 + 2\text{H}_2\text{O}$ <p>(v) because of the ability of oxygen to form multiple bonds with metal</p>	<p>$\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>
33	<p>(a) (i)</p> <p>(I) $(\text{CH}_3)_3\text{C-CHO}$</p> <p>(II)</p> $\text{H}_3\text{C}-\text{CH}_2-\overset{\text{CH}_3}{\underset{ }{\text{CH}}}-\overset{\text{O}}{\parallel}{\text{C}}-\text{H}$ <p>(III) $\text{CH}_3\text{-CO-CH}_2\text{CH}_2\text{CH}_3$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>

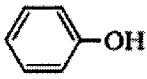
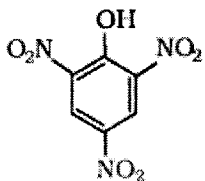
	<p>(ii)</p> $\text{>C=O} \xrightarrow[\text{HCl}]{\text{Zn-Hg}} \text{>CH}_2 + \text{H}_2\text{O}$ <p>(I)</p> <p>(II)</p> $\text{C}_6\text{H}_5\text{CH}_3 + \text{CrO}_2\text{Cl}_2 \xrightarrow{\text{CS}_2} \text{C}_6\text{H}_5\text{CH(OCrOHCl}_2)_2 \xrightarrow{\text{H}_3\text{O}^+} \text{C}_6\text{H}_5\text{CHO}$	<p>1</p> <p>1</p>
	OR	
33	<p>(b)</p> <p>i)</p>  <p>ii) Because semicarbazide undergoes resonance involving only one of the two - NH₂ groups, which is attached directly to the carbonyl-carbon atom.</p> <p>iii)</p> $\text{CH}_3\text{CH}_2\text{OH} \xrightarrow{\text{CrO}_3} 2 \text{ CH}_3\text{CHO} \xrightleftharpoons{\text{dil. NaOH}} \text{CH}_3\text{CH(OH)CH}_2\text{CHO}$ <p>iv)</p>  <p>v)</p> 	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>

अंकन योजना 2022-25
रसायन विज्ञान (सैद्धान्तिक)
प्रश्न पत्र कोड: 56/7/2

MM : 70

Q.No	मूल्य बिंदु (खण्ड के)	Mark
1	C	1
2	D	1
3	B	1
4	C	1
5	B	1
6	A	1
7	B	1
8	A	1
9	C	1
10	D	1
11	A	1
12	C	1
13	A	1
14	C	1
15	A	1
16	A	1
(खण्ड ख)		
17	<ul style="list-style-type: none"> जब विलयन का वाष्प दाब आदर्श व्यवहार के अपेक्षित से कम होता है। उदाहरण : क्लोरोफॉर्म - ऐसीटोन / HNO_3 व जल (अथवा अन्य कोई उपयुक्त उदाहरण) आधिकतम क्वथनांक की स्थिरकवाथी 	1 1/2 1/2
18	(क) डाइक्लोरिडोबिस (एथेन-1,2-डाइएमीन) प्लैटिनम(IV) <div style="text-align: center;"> </div>	1 1
अथवा		
18	i) $[\text{Co}(\text{NH}_3)_5(\text{CO}_3)]\text{Cl}$ ii) पेंटाएमीननाइट्राटो-0-कोबाल्ट	1 1
19	<ul style="list-style-type: none"> जब कोई एक अभिकारक अधिक मात्रा में हो। इक्षु-शक्करा (सूत्रास) / एस्टर का जल उपघटन (अथवा अन्य कोई उपयुक्त उदाहरण) प्राथमिक अभिक्रिया के लिए, जो एक ही चरण में होता है। 	1 1/2 1/2

20	<table> <tr> <th>ऐमिलोस</th> <th>ऐमिलोपेक्टिन</th> </tr> <tr> <td>α-ग्लूकोस की अशार्वित श्रृंखला</td> <td>α-ग्लूकोस की शार्वित श्रृंखला</td> </tr> <tr> <td>C₁-C₄ ग्लाइकोसाइडी बंध</td> <td>C₁-C₄ एवं C₁-C₆ ग्लाइकोसाइडी बंध</td> </tr> <tr> <td>जल में घुलनशील</td> <td>जल में अविलेय</td> </tr> <tr> <td>स्टार्च का 15-20% भाग निर्मित करता है।</td> <td>स्टार्च का 80-85% भाग निर्मित करता है। (कोई है)</td> </tr> </table>	ऐमिलोस	ऐमिलोपेक्टिन	α -ग्लूकोस की अशार्वित श्रृंखला	α -ग्लूकोस की शार्वित श्रृंखला	C ₁ -C ₄ ग्लाइकोसाइडी बंध	C ₁ -C ₄ एवं C ₁ -C ₆ ग्लाइकोसाइडी बंध	जल में घुलनशील	जल में अविलेय	स्टार्च का 15-20% भाग निर्मित करता है।	स्टार्च का 80-85% भाग निर्मित करता है। (कोई है)	1+1
ऐमिलोस	ऐमिलोपेक्टिन											
α -ग्लूकोस की अशार्वित श्रृंखला	α -ग्लूकोस की शार्वित श्रृंखला											
C ₁ -C ₄ ग्लाइकोसाइडी बंध	C ₁ -C ₄ एवं C ₁ -C ₆ ग्लाइकोसाइडी बंध											
जल में घुलनशील	जल में अविलेय											
स्टार्च का 15-20% भाग निर्मित करता है।	स्टार्च का 80-85% भाग निर्मित करता है। (कोई है)											
21	<p>• क्योंकि C-X आबंध में अनुनाद के कारण आंशिक द्विबंध के लक्षण आ जाते हैं / C-X आबंध के sp^2 संकरित कार्बन के कारण आबंध की लम्बाई कम हो जाती है (अर्थात् अन्य कोई उपयुक्त उदाहरण)</p> <p>• नाइट्रो समूह बेन्जीन क्रय पर इलेक्ट्रॉन धनत्व कम कर देता है। फलतः H_2SO_4 पर नाभिकुरागी का आक्रमण सरल हो जाता है / इलेक्ट्रॉन - अपनयक होते हुए NO_2 समूह मध्यवर्ती कार्बोनायन की स्थायित्व प्रदान करता है।</p>	1 1										
22	<p>(खण्ड ग)</p> <p>(क) जो ऐमीनो अम्ल शरीर में संश्लेषित हो सकते हैं उन्हें अनावश्यक ऐमीनो अम्ल कहते हैं जबकि वे ऐमीनो अम्ल जो शरीर में संश्लेषित नहीं हो सकते तथा जिनकी भोजन में लेना आवश्यक है, आवश्यक ऐमीनो अम्ल कहलाते हैं।</p>	1										

	<p>(ख) वह आबंध जो दो ऐमीनो अम्लों की $-CO-NH-$ बंध के माध्यम से जोड़ा है, पेप्टाइड आबंध कहलाता है, जबकि वह आबंध जो दो अम्लों के राइडों की ऑक्सीजन $(-O-)$ परमाणु के माध्यम से जोड़ा है, ग्लाइकोसाइडी आबंध कहलाता है।</p> <p>(ग) रेशेदार प्रोटीन : सभानांतर पॉलियेप्टाइड श्रृंखला संरचना/जल में अविलेय</p> <p>गोलिकाकार प्रोटीन : - गोलाकृति पॉलियेप्टाइड श्रृंखला संरचना/जल में विलेय ।</p>	
23	<p>(क) क्योंकि कार्बोक्सिल समूह निष्प्रायक समूह है एवं उत्प्रेरक ऐलुमिनियम क्लोराइड (लूईस अम्ल) कार्बोक्सिल समूह से आबंधित हो जाता है (लवण बनाता है)</p> <p>(ख) क्योंकि $HCHO$ का कार्बोनिल कार्बन $C_{H_3}CHO$ की तुलना में अधिक इलेक्ट्रॉनराही है। मैथिल के $+I$ प्रभाव के कारण। मैथिल समूह के प्रविम प्रभाव के कारण, $C_{H_3}CHO$ कम अभिक्रियाशील है।</p> <p>(ग) ऐसा कार्बोनिल समूह से संलग्नित sp^2 संकरित कार्बन की उच्च विद्युत ऋणात्मकता के कारण होता है।</p>	
24	<p>(क) $CH_3I +$ </p> <p>(ख) </p>	<p>1</p> <p>1</p>

	<p>Anode: $\text{Pb(s)} + \text{SO}_4^{2-}(\text{aq}) \rightarrow \text{PbSO}_4(\text{s}) + 2\text{e}^-$</p> <p>Cathode: $\text{PbO}_2(\text{s}) + \text{SO}_4^{2-}(\text{aq}) + 4\text{H}^+(\text{aq}) + 2\text{e}^- \rightarrow \text{PbSO}_4(\text{s}) + 2\text{H}_2\text{O(l)}$</p>	1 1
27	<p>अथवा</p> <p>(ख) क्योंकि एनोड पर अधिक E° मान वाली अभिक्रिया की करियता प्राप्त होती है, और इसलिये H_2O को $\text{H}_2(\text{g})$ के अपचयन की करियता प्राप्त होती है।</p> <p>एनोड पर जल के ऑक्सीकरण की $\text{V}^\circ(\text{व्यू})$ के ऑक्सीकरण की तुलना में करियता मिलनी चाहिए।</p> <p>परंतु ऑक्सीजन की आवधिकता के कारण $\text{Cl}_2(\text{g})$ के ऑक्सीकरण की करियता प्राप्त होती है।</p> <p>$\text{NaCl(aq)} + \text{H}_2\text{O(l)} \rightarrow \text{Na}^+(\text{aq}) + \text{OH}^-(\text{aq}) + \frac{1}{2}\text{H}_2(\text{g}) + \frac{1}{2}\text{Cl}_2(\text{g})$</p>	1
28	<p>$\Delta T_f = iK_f m$</p> <p>$\Delta T_f = \frac{i \times K_f \times w_2 \times 1000}{M_2 \times w_1}$</p> <p>$0.45 = \frac{i \times 5.12 \times 0.3 \times 1000}{60 \times 30}$</p> <p>$i = 0.527$</p> <p>$\alpha = \frac{i-1}{1/n-1}$</p> <p>$\alpha = \frac{0.527-1}{1/2-1} \quad (n=2)$</p> <p>$\alpha = 0.946 \text{ or } 94.6\%$</p> <p>(अथवा अन्य कोई उपयुक्त विधि)</p>	$\frac{1}{2}$ 1 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$
29	<p>अथवा</p> <p>(i)</p> <p>$\text{CH}_3\text{COOH} \xrightarrow[\Delta]{\text{NH}_3} \text{CH}_3\text{CONH}_2$</p> <p>$\downarrow \text{Br}_2/\text{NaOH}$</p> <p>$\text{CH}_3\text{NH}_2$</p> <p>(ii)</p> <p>$\text{CH}_3\text{CH}_2\text{C}\equiv\text{N} \xrightarrow{\text{H}_2/\text{Pt}} \text{CH}_3\text{CH}_2\text{CH}_2\text{NH}_2$</p> <p>(अथवा अन्य कोई उपयुक्त विधि)</p> <p>ख) एनीलीन अनुनाद करता है जिसका परिणामस्वरूप N-परमाणु पर उपस्थित इलेक्ट्रॉन प्रदान करने</p>	1

के लिए कम उपलब्ध होते हैं।

ग) (i) $(CH_3)_3N < CH_3NH_2 < (CH_3)_2NH$

अथवा

ग) (ii) $A = C_6H_5NH_2$; $B = C_6H_5N_2^+Cl^-$

30

(क) t_{2g} में एक अयुग्मित इलेक्ट्रॉन की उपस्थिति के कारण जो उत्तेजित होकर e_g में चला जाता है। $t_{2g} \rightarrow e_g$ उत्तेजन ऊर्जा के कारण यह रंग देता है। (d-d संक्रमण)

गर्म करने पर जल निकल जाता है, इसलिए क्रिस्टल क्षेत्र विपादन नहीं होता और यह रंगहीन हो जाता है।

(ख) अपभ्रष्ट d-कक्षकों को कक्षकों के दो समुच्चय (t_{2g} और e_g) में विपादन करने के लिए आवश्यक ऊर्जा लिगेण्डों की निश्चित ज्यामिति में उपस्थिति से d-कक्षकों t_{2g} एवं e_g के दो समुच्चयों की ऊर्जा में अंतर (अथवा)

(ख)(ii) $\Delta_o < P$ दुर्बल क्षेत्र लिगेण्ड, $\Delta_o > P$ प्रबल क्षेत्र लिगेण्ड

(ग) क्योंकि कक्षकों की विपादन ऊर्जा इतनी अधिक नहीं होती जो इलेक्ट्रॉनों को युग्मन के लिए बाध्य करे, निम्ब क्रिस्टल क्षेत्र विपादन ऊर्जा के कारण।

(खण्ड ड.)

31

क) (i)

$$E_{\text{रस}} = (E^\circ_c - E^\circ_a) - \frac{0.059}{2} \log \frac{[Zn^{2+}]}{[H^+]^2}$$

$$= [(0) - (-0.76)] - \frac{0.059}{2} \log \frac{0.1}{(0.01)^2}$$

$$= 0.76 - 0.0295 \log 10^3$$

$$= 0.76 - 0.0885$$

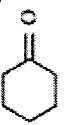
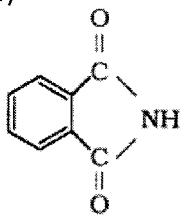
$$= 0.6715 \text{ V}$$

or 0.67 V (इकाई गलत या ना देने पर 1/2 अंक काट दें)

(ii) विभिन्न वैद्युतअपघटनी विलयनों में विद्युत की समान मात्रा प्रवाहित करने पर मुक्त विभिन्न पदार्थों की मात्राएं उनके रासायनिक तुल्यांकी द्रव्यमान के समानुपाती होती हैं।

• 6F

	अथवा	
31	<p>(i)</p> $\Lambda_m = \frac{\kappa}{c} \times 1000$ $\Lambda_m = \frac{2.48 \times 10^{-2}}{0.2} \times 1000$ $= 124 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$ $\Lambda_m^\circ = \lambda_{\text{K}^+}^\circ + \lambda_{\text{Cl}^-}^\circ$ $= 73.5 + 76.5$ $= 150 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$ $\alpha = \frac{\Lambda_m}{\Lambda_m^\circ}$ $= \frac{124}{150}$ $= 0.827$ <p>(ii) $E^\circ_{\text{cell}} = E^\circ_{\text{cathode}} - E^\circ_{\text{anode}}$</p> $= 0.34 - (-2.37)$ $= 2.71 \text{ V}$ $\Delta_r G^\circ = -nFE^\circ_{\text{cell}}$ $= -2 \times 96500 \times 2.71$ $= -523030 \text{ J mol}^{-1} \text{ or } -523.03 \text{ kJ mol}^{-1}$ <p>(iii) • प्राथमिक सेल • अपने संपूर्ण उष्माधुक्काल में विभव को स्थिर बनाए रखता है / लंबा जीवनकाल</p>	<p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2}$</p> <p>$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$</p>
32	<p>क (i) (I) क्योंकि अर्ध-भरित d5 विन्यस्त के अतिरिक्त स्थायी होने के कारण Mn^{2+}, Mn^{3+} से अधिक स्थायी है</p> <p>(II) 5f, 6d तथा 7s कक्षकों की समतुल्य ऊर्जा के कारण</p> <p>(III) अंतरापरमाण्विक धात्विक बंधन में ns इलेक्ट्रॉनों के अतिरिक्त (n-1)d कक्षकों के अधिक इलेक्ट्रॉनों की भागीदारी के कारण।</p> <p>(ii)</p> <p>(i) $5\text{SO}_3^{2-} + 2\text{MnO}_4^- + 6\text{H}^+ \longrightarrow 2\text{Mn}^{2+} + 3\text{H}_2\text{O} + 5\text{SO}_4^{2-}$</p> <p>(ii) $2\text{MnO}_4^- + \text{H}_2\text{O} + \Gamma \longrightarrow 2\text{MnO}_2 + 2\text{OH}^- + \text{ICl}_2$</p>	<p>1</p> <p>1</p> <p>1</p> <p>1</p>

	iv) 	1
	v) 	1